अमृत की बरसे बदरिया

अमृत की बरसे बदरिया
==================
अमृत की, बरसे बदरिया,
अम्बे, माँ की दुअरिया।
अमृत की, बरसे बदरिया,
ओए मेरी, माँ की दुअरिया।
अमृत की, बरसे बदरिया...

दातुर मोर, पपीहा बोले।
पपीहा बोले, पपीहा बोले।
दातुर मोर, पपीहा बोले,
कूके-2 जय हो-2 काली कोयलिया,
ओए मेरी, माँ की दुअरिया
अमृत की, बरसे बदरिया...

शीश मुकुट, कानों में कुण्डल॥
सोहवे-2 जय हो-2, लाल चुनरिया,
ओए मेरी, माँ की दुअरिया
अमृत की, बरसे बदरिया...

माथे की बिन्दिया, चम चम चमके।
चम चम चमके, चम चम चमके।
माथे की बिन्दिया, चमचम चमके,
जैसे-2 जय हो-2, गगन में बिजुरिया,
ओए मेरी, माँ की दुअरिया
अमृत की, बरसे बदरिया...

सूरज चन्दा, आरती उतारे॥
पवन-2 जय हो-2, बुहारे डगरिया,
ओए मेरी, माँ की दुअरिया।
अमृत की, बरसे बदरिया...

ब्रम्हा बिष्णु, शंकर नाचे।
शंकर नाचे, भोला नाचे।
ब्रम्हा बिष्णु, शंकर नाचे,
मोहन-2 जय हो-2, बजाए बाँसुरिया,
ओए मेरी, माँ की दुअरिया।
अमृत की बरसे बदरिया,,,,,,,,,,,,,,,

ओए प्रेम से बोलो,,, जय माता दी।
ओए सारे बोलो,,, जय माता दी।
ओए आते बोलो,,, जय माता दी।

ओए जाते बोलो,,, जय माता दी।
ओए कष्ट निवारे,,, जय माता दी।
माँ पार उतारे,,, जय माता दी।
मेरी माँ भोली,,, जय माता दी।
भर देती झोली,,, जय माता दी।
माँ जोड़े दर्पण,,, जय माता दी।
माँ दे के दर्शन,,, जय माता दी।
ओ जय माता दी,,, जय माता दी।
ओ जय माता दी,,, जय माता दी।
जयकारा,,,,, माँ शेराँवाली दा,,,,,,
बोल सच्चे दरबार की जय

स्वर : लखबीर सिंह लक्खा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33054/title/Amrit-Ki-Barse-Badariya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |